पाठ 16. नमक की मिठास

पाठ का परिचय

एक सेठ था। उसकी तीन बेटियाँ थीं। एक दिन सेठ ने तीनों बेटियों से एक प्रश्न पूछा कि वे उससे कितना प्यार करती हैं। बड़ी बेटी सुनयना ने अपने प्यार को हीरे-जवाहरात से बढ़कर बताया। मँझली बेटी ने अपने प्यार को अथाह सागर के समान बताया और छोटी बेटी सुगंधा ने पिता के प्रति अपने प्यार को खाने में नमक के बराबर बताया। पिता को गुस्सा आया और उन्होंने सुगंधा का विवाह जीवन नाम के एक गरीब युवक से कर दिया। सुगंधा और जीवन ने हार न मानी। उन्होंने मेहनत कर अपना व्यवसाय शुरू किया। कुछ वर्षों में उनके पास बहुत-सी ज़मीन और बड़े-बड़े भवन हो गए। एक दिन दोनों ने घर पर भोज का आयोजन कर अपने पिता को भी निमंत्रित किया। सेठ भोजन के लिए बैठा तो सोने की कटोरियों में तरह-तरह के पकवान उसके सामने रख दिए गए। जब सेठ ने पहला ग्रास खाया तो उसे लगा भोजन में नमक नहीं है। उसने दूसरी, तीसरी, सभी कटोरियों से भोजन को चखा तो पाया कि भोजन में नमक है ही नहीं। उसे गुस्सा आ गया। वह उठ खड़ा हुआ। तभी गृहिणी घूँघट निकाले सेठ के नज़दीक आई। जब उसने सेठ से भोजन पसंद न आने का कारण पूछा तो क्रोध से सेठ ने भोजन में नमक न होने की बात कही। तब गृहिणी ने अपना घूँघट उठाया। सामने अपनी ही बेटी को देख उसे सारी बात याद आ गई। आज पहली बार उसे अहसास हुआ कि साधारण नमक भी सोने और जवाहरात से किस प्रकार अधिक मूल्यवान है। सेठ ने सुगंधा से जैसा व्यवहार किया था, उसके लिए उसे ग्लानि हुई। उसने अपना सर्वस्व सुगंधा को सौंप दिया और वे आनंदपूर्वक रहने लगे।

पाठ में निहित जीवन-मूल्य

जो हमारे प्रिय होते हैं वे सदैव हमें प्यार करते हैं। जीवन में यदि कभी मुश्किल की घड़ी आ जाए तो हमें घबराना नहीं चाहिए। हिम्मत और साहस से काम लेने पर मनुष्य बड़ी से बड़ी मुश्किलों का सामना भी आसानी से कर लेता है। अत: धन से भी अधिक आवश्यक है मन की हिम्मत।

पाठ का वाचन

अध्यापक/अध्यापिका पाठ शुरू करने से पहले बच्चों को परिश्रम का महत्व समझाएँ। कथा का सार संक्षेप में बच्चों को बताएँ। पाठ का वाचन बच्चों से करवाएँ। प्रत्येक बच्चे को वाचन करने का अवसर दें। उनके उच्चारण को शुद्ध करें। वाचन के दौरान बच्चों से प्रश्न करें। ध्यान रहे, प्रश्न केवल एक वाक्य के उत्तर वाले हों।

महत्वपूर्ण चर्चा

निम्न प्रश्नों पर आधारित चर्चा बच्चों से करें –

- परिश्रम का हमारे जीवन में कितना महत्व है?
- नमक का हमारे जीवन में कितना महत्व है?
- बिना नमक का खाना कैसा लगता है?
- नमक के बिना क्या पूरा जीवन बिताया जा सकता है?
- क्या नमक के बिना भोजन स्वादिष्ट लग सकता है?